दादा का चिमटा

श्री दादा देव दर्शन करके , सब दुखड़े मिट जाते है
झोली उनकी भर जाती , जो इनके आते है
रे दादा ने चिमटा गाड़ दिया
सब शीश झुकावे धुने पे ……..

इस धुने की महिमा न्यारी , बड़े बड़े सब कहते है
24 घण्टे जोत जगे यहाँ , सभी देवता रहते है
दादा से नाता जोड़ लिया
सब शीश झुकावे धुने पे ……..

गोरखनाथ गुरुजी की भी , कृपा यहाँ बरसती है
सब की आशा पूरी होती , चढे सभी में मस्ती है
ढँका जग में बजा दिया
सब शीश झुकावे धुने पे ……..

12 गाँव चढ़ावे भेली , चादर भी चढ़ाते है
फूलो से सिंगार करे , दादा को खूब सजाते है
जो आया सब का काम किया
सब शीश झुकावे धुने पे ……..

इस धुने की लगा भभूति , हरीश मगन सुख पा रहया
भूलन त्यागी शीश झुका , मस्ती में भजन सुना रहया
दादा तेरे बिना ना लागे जिया
सब शीश झुकावे धुने पे ……..

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21392/title/dada-ka-chimta

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |